केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 54 रविवार 13 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

ट्रेलर की चपेट में आये बाइक सवार की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कप्तानगंज थाना क्षेत्र में बस्ती–अयोध्या हाईवे पर दर्दनाक हादसा हो गया। खजुहा गांव के पास ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद देर शाम तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बस्ती के शवगृह भेज दिया है और बाइक के पंजीकरण नंबर के आधार पर पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

जानकारी के अनुसार, एक ट्रेलर बस्ती की तरफ से हरैया जा रहा था। खजुहा गांव के पास चालक ने अचानक यू–टर्न लेकर वाहन को बस्ती की ओर मोड़ दिया। इसी दौरान हरैया की तरफ जा रहा बाइक सवार ट्रेलर से टकरा गया।

टक्कर के बाद बाइक सवार सड़क पर गिर गया। ट्रेलर का पहिया बाइक और हेलमेट के ऊपर से गुजर गया। हादसे में युवक के सिर में गंभीर चोट आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मृतक के पास से कोई पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मिला।

दुष्कर्म का आरोपः 11 पर मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जब परिजनों ने इस हैवानियत का विरोध किया, तो आरोपियों ने उनके साथ जमकर मारपीट की। इस हिंसक हमले में पीड़िता की दादी और चाचा गंभीर रूप से चोटिल हो गए।

यह घटना 15 जुलाई 2026 की रात की बताई जा रही है। पीड़िता के परिवार की शिकायत पर वाल्टरगंज थाना पुलिस ने 10 सितंबर को शाम 7.42 बजे मामला दर्ज कर लिया है। तहरीर के अनुसार, मुख्य आरोपी ने जबरन घर में दाखिल होकर नाबालिग छात्रा को अपनी दरिंदगी का शिकार बनाया।

आरोप है कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने बाहरी लोगों को मौके पर बुला लिया और पीड़िता के परिजनों के साथ गाली–गलौज करते हुए मारपीट की। साथ ही पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई।

पुलिस ने इस मामले में एजाज अहमद, अली अहमद, निसार अहमद, जुबैदा खातून, साहेना, मोहम्मद हुसैन, नूरुन्निशा और नबी हुसैन सहित 11 नामजद तथा जमदाशाही व मझौवामीर क्षेत्र के 5 से 10 अज्ञात रिश्तेदारों के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीओ को जांच सौंपी गई है।

हिन्दी दिवस पर आयोजन 14 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हिन्दी दिवस पर पूर्वांचल साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास संस्थान द्वारा 14 सितम्बर को दिन में 11 बजे प्रेस क्लब बस्ती सभागार में विचार गोष्ठी एवं सारस्वत समारोह का आयोजन किया गया है। समारोह में हिन्दी भाषा के महत्व, उसकी वर्तमान स्थिति, साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में उसके योगदान तथा हिन्दी के व्यापक प्रचार–प्रसार को लेकर विचार–विमर्श किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजीव त्यागी (आईपीएस), पुलिस उपमहानिरीक्षक, बस्ती पक्षित्र, बस्ती होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार जयंत मिश्र तथा वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. वी.के. वर्मा रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार कृष्णदेव मिश्र करेंगे।

संस्थान के अध्यक्ष महेन्द्र तिवारी ने बताया कि हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी भाषा और साहित्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ ही साहित्यकारों, पत्रकारों एवं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को एक मंच पर लाना है।

ब्रिक्स नई दिल्ली के साझा घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले की निन्दा

नई दिल्ली (आभा)। ब्रिक्स देशों ने आपसी सम्मान और समझ, संप्रभु समानता, एकजुटता, लोकतंत्र, खुलेपन, समावेशिता, सहयोग और आम सहमति की ब्रिक्स भावना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। ब्रिक्स देशों ने कहा कि ब्रिक्स के दो दशकों के अनुभव के आधार पर विस्तारित ब्रिक्स में राजनीतिक एवं सुरक्षा, आर्थिक एवं वित्तीय तथा सांस्कृतिक एवं लोगों के बीच संपर्क के तीन स्तंभों के तहत सहयोग को और मजबूत किया जाएगा।

नई दिल्ली घोषणा में कहा गया कि शांति, अधिक प्रतिनिधित्व वाली और निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, मजबूत एवं सुधारित बहुपक्षीय प्रणाली, सतत विकास और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देकर लोगों के हित में रणनीतिक साझेदारी को मजबूत किया जाएगा। ब्रिक्स देशों ने 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच/ब्रिक्स प्लस संवाद सत्र की मेजबानी के लिए भारत की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे अंतरराष्ट्रीय सहयोग और एकजुटता को मजबूत करने के प्रयासों को नई गति मिली है।

ब्रिक्स देशों ने सभी पक्षों से गाजा में युद्धविराम बनाए रखने और मानवीय सहायता की पूर्ण एवं निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने का आग्रह किया। अक्टूबर 2025 के युद्धविराम समझौते के बावजूद जारी हिंसा पर उन्होंने गहरी चिंता जताई। ब्रिक्स ने गाजा से फलस्तीनियों को जबरन विस्थापित करने की नीतियों का भी विरोध किया। समूह ने इस्राइल–फलस्तीन संघर्ष के शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान तथा फलस्तीनी लोगों के वैध अधिकारों के समर्थन की पुष्टि की। इनमें आत्मनिर्णय और वापसी का अधिकार भी शामिल है।

ब्रिक्स देशों ने खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए अधिकतम संयम बरतने का आह्वान किया। समूह ने आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा पर जोर दिया। साथ ही क्षेत्र में स्थायी शांति, सुरक्षा और स्थिरता हासिल करने के लिए संवाद और कूटनीति के अधिक इस्तेमाल की अपील की। ब्रिक्स ने वैश्विक व्यापार, आपूर्ति शृंखलाओं और ऊर्जा की सुचारू आवाजाही बनाए रखने की जरूरत पर भी जोर दिया।

ब्रिक्स ने फलस्तीन को संयुक्त राष्ट्र की पूर्ण सदस्यता दिए जाने के समर्थन को दोहराया। साथ ही दो–राष्ट्र समाधान का समर्थन किया, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त 1967 की सीमाओं के भीतर गाजा और पश्चिमी तट समेत एक स्वतंत्र एवं संप्रभु फलस्तीनी राज्य हो और पूर्वी यरुशलम उसकी राजधानी हो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग समेत ब्रिक्स में शामिल 10 देशों के वैश्विक नेताओं ने भारत मंडपम में पौधारोपण किया। इससे पहले पीएम मोदी ने ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं के साथ ग्रुप फोटो खिंचवाई। घोषणापत्र में कहा गया कि शांति, अधिक प्रतिनिधित्व वाली और निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, मजबूत एवं सुधारित बहुपक्षीय प्रणाली, सतत विकास और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देकर लोगों के हित में रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत किया जाएगा। ब्रिक्स देशों ने 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान आउटरीचब्रिक्स प्लस संवाद सत्र की मेजबानी के लिए भारत की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस पहल से अंतरराष्ट्रीय सहयोग और एकजुटता को मजबूत करने के प्रयासों को नई गति मिली है।

युद्ध समस्या का हल नहीं– शी जिनपिंग

नई दिल्ली (आभा)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शनिवार को अगले साल होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर बड़ा ऐलान किया है। इसके साथ ही उन्होंने पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध को लेकर भी चिंता जताई है। जिनपिंग ने कहा कि अगले साल चीन ब्रिक्स सम्मेलन की अध्यक्षता करेगा और 19वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स, सबसे प्रभावशाली जगह है, जहां दुनिया के सबसे उभरते बाजार और विकासशील देश जुटते हैं। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में बोलते हुए चीन के राष्ट्रपति ने कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध में तमाम लोगों ने अपनी जान गंवाई है। साथ ही कहा कि इससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवता का कोई भला नहीं हो रहा है।

पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में बदल रहे हालात को लेकर भी जिनपिंग ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि चीन अन्य ब्रिक्स देशों के साथ मिलकर क्षेत्र में शांति और स्थिरता में सहयोग करना चाहते हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक जिनपिंग ने कहा, 'चीन मध्य पूर्व और खाड़ी क्षेत्र में शांति और स्थिरता हासिल करने में उचित भूमिका निभाने के लिए साथी ब्रिक्स सदस्यों के साथ काम करने का इच्छुक है। युद्ध ने पूरे क्षेत्र में लोगों को गंभीर नुकसान पहुंचाया है और यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हितों की पूर्ति नहीं करता है।'

अलकायदा मॉड्यूल से जुड़े नबील को एटीएस ने दबोचाः जेहाद के लिए उकसाने का आरोप

लखनऊ (आभा)। आतंकी संगठन अलकायदा इन इंडियन सब–कॉन्टिनेंट की विचारधारा का सोशल मीडिया के जरिए प्रचार करने के आरोप में यूपी एटीएस ने 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। एटीएस के मुताबिक आरोपी की पहचान मोहम्मद नबील पुत्र मोहम्मद दानिश, निवासी ग्राम चितारा, महमूदपुर, थाना सीदरगंज, आजमगढ़ के रूप में हुई है। उसे 12 सितंबर को आजमगढ़ से गिरफ्तार किया गया। एटीएस को सूचना मिली थी कि नबील सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर अन्य लोगों के साथ मिलकर देश विरोधी गतिविधियों की साजिश कर रहा है। आरोप है कि वह अलकायदा के आतंकी अनवर उल अवलाकी की विचारधारा से प्रभावित था और व्हाट्सऐप ग्रुप के जरिए युवाओं को अपने साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा था। एटीएस के अनुसार, ग्रुप में जम्मू–कश्मीर के युवाओं के साथ विदेशी लोग भी जुड़े हुए थे। जांच में सामने आया कि नबील ने अरबी भाषा में 'ला गालिब–इल्लल्लाह' नाम से व्हाट्सऐप ग्रुप बनाया था। एटीएस का दावा है कि वह ग्रुप में जुड़े सदस्यों को 'मुजाहिद' कहकर संबोधित करता था। जांच के दौरान उसके मोबाइल फोन से AQIS की विचारधारा से संबंधित सामग्री मिलने की बात भी कही गई है।

शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने घेरा डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का आवास

लखनऊ (आभा)। 68500 सहायक शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों के अभ्यर्थियों ने शनिवार को लखनऊ में प्रदर्शन किया। उन्होंने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव कर जमकर नारेबाजी की। ये अभ्यर्थी अपनी नियुक्ति की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलनरत हैं। डिप्टी सीएम के आवास के बाहर उन्होंने लगभग आधे घंटे तक नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो अभ्यर्थियों और पुलिस के बीच धक्का–मुक्की भी हुई।

शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी सुबह 8 बजे के करीब बड़ी संख्या में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के आवास पर पहुंचे। उन्होंने आरक्षण की विसंगतियों का समाधान कराने और भर्ती से जुड़े मामले में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के आदेश का अनुपालन कराने की मांग उठाई। अभ्यर्थियों ने अपनी नियुक्ति के मसले पर डिप्टी सीएम से बात कराए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि भर्ती में आरक्षण से जुड़ी विसंगतियों के कारण उन्हें लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने डिप्टी सीएम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात कराकर मामले का समाधान कराने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के आदेश का अनुपालन कराने की मांग को प्रमुखता से उठाया। उनका कहना है कि आयोग के आदेश के अनुरूप कार्रवाई होने से आरक्षण संबंधी विवाद का समाधान हो सकता है। शनिवार की सुबह करीब आठ बजे अभ्यर्थियों के डिप्टी सीएम आवास पहुंचने से वहां हलचल बढ़ गई। अभ्यर्थी अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए समाधान की मांग पर अड़े रहे। उनका कहना था कि सरकार को भर्ती से जुड़े आरक्षण विवाद का जल्द निस्तारण करना चाहिए। अभ्यर्थियों ने कहा कि वे लंबे समय से इस मामले के समाधान की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने डिप्टी सीएम से मुख्यमंत्री के स्तर पर वार्ता कराने और संबंधित आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने की मांग दोहराई।

अभ्यर्थियों का कहना है कि इस भर्ती प्रक्रिया से जुड़े मामले लंबे समय से पेंडिंग हैं। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद नियुक्ति के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। बार–बार उन्हें आश्वासन मिले लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया गया।

बसपा में भतीजे साइड लाइन अब भतीजी पर भरोसा

लखनऊ (आभा)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी में परिवारवाद को लेकर बड़ा ऐलान किया है। मायावती ने साफ किया है कि उनके भाई आनंद कुमार के दोनों बेटों आकाश आनंद और ईशान आनंद को पार्टी में अब कोई छोटा–बड़ा राजनीतिक पद नहीं दिया जाएगा। इतना ही नहीं, उन्होंने कहा कि भविष्य में भी आनंद कुमार के बेटों के बच्चों को पार्टी की राजनीतिक जिम्मेदारी सौंपने का सवाल नहीं उठेगा।

मायावती ने कहा कि अगर भविष्य में आनंद कुमार को उनकी मदद के लिए परिवार के किसी सदस्य की जरूरत पड़ती है तो वह अपनी इकलौती बेटी दीपिका आनंद की मदद ले सकते हैं। दीपिका फिलहाल वकालत की पढ़ाई कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आगे चलकर उनकी ईमानदारी, वफादारी और कार्यक्षमता को देखते हुए पार्टी में उन्हें जरूरत के मुताबिक जिम्मेदारी दी जा सकती है।

बसपा प्रमुख ने कहा कि यदि दीपिका इसके लिए तैयार नहीं होती हैं तो आनंद कुमार पार्टी की आम सहमति से दलित वर्ग के किसी मिशनरी कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। हालांकि उनके बेटों या भविष्य में उनके बच्चों को यह जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। मायावती ने इसे पार्टी और मौजूदा समय की जरूरत बताया।

मायावती ने कहा कि वो बसपा संस्थापक कांशीराम के परिवारवाद के खिलाफ रुख से पूरी तरह सहमत हैं और उसी रास्ते पर कायम हैं। उन्होंने कहा कि कांशीराम की शिष्या होने के नाते उन्होंने भी पार्टी में परिवारवाद को बढ़ावा नहीं देने का फैसला किया है। मायावती के मुताबिक, महिला होने के कारण सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी परिस्थितियों के चलते उन्हें अपने छोटे भाई आनंद कुमार को अपने साथ रखना पड़ा।

उन्होंने कहा कि अब आनंद कुमार के दोनों बेटों के बड़े और शादीशुदा होने के बाद उन्हें भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन वह किसी तरह के मोह में पड़कर पार्टी को नुकसान नहीं होने देंगी। मायावती ने कहा कि पार्टी संगठन और भविष्य में सरकार बनने पर भी किसी व्यक्ति को जिम्मेदारी मिलने की स्थिति में उसके परिवार के अन्य सदस्यों को राजनीतिक लाभ नहीं दिया जाएगा। मायावती ने कहा कि बसपा को परिवारवाद से मुक्त रखकर सर्वसमाज के अधिक से अधिक लोगों को सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति के आंदोलन से जोड़ना जरूरी है।

यशवंत हत्याकांड में 2 आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के धमौरा के पास सड़क किनारे मिले 26 वर्षीय यशवंत कुमार के शव के मामले का पुलिस ने शनिवार को खुलासा किया। वाल्टरगंज पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने हत्या के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

इनमें हरैया के पनेराभारी निवासी रामललित चौधरी (29) और कप्तानगंज के कोड़ीकोल निवासी सोना देवी (55) शामिल हैं। दोनों को 12 सितंबर की सुबह करीब 10रू20 बजे अमहट से हाईवे जाने वाले मोड़ के पास से पकड़ा गया। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया। मामला वाल्टरगंज थाना क्षेत्र का है।

पुलिस पूछताछ में रामललित ने बताया कि वह सोना देवी की बेटी रीमा से प्रेम करता था और इसी वजह से उसके घर आता–जाता था। 8 सितंबर को वह सोना देवी के घर पहुंचा था। पुलिस के मुताबिक, वहां सोना देवी ने उसे बताया कि यशवंत को भी फोन करके बुलाया गया है। पुलिस के अनुसार, सोना देवी ने आरोप लगाया कि यशवंत उसकी बहन की बेटी गुड़िया को परेशान करता था। आरोप है कि यशवंत ने गुड़िया को शराब पिलाकर उसके आपत्तिजनक वीडियो बना लिए थे और इन्हें दिखाकर उसके साथ जबरन संबंध बनाता था। पुलिस के मुताबिक, इसी वजह से गुड़िया की शादी में भी परेशानी आ रही थी।

पुलिस के मुताबिक, यशवंत को रास्ते से हटाने की योजना बनाई गई। रात करीब 9 बजे गुड़िया और शीला यशवंत को घर से करीब 300 मीटर दूर गन्ने के खेत के पास ले गईं। उनके पीछे रामललित, सोना देवी और रीमा भी वहां पहुंच गए। पुलिस का दावा है कि रीमा ने पीछे से यशवंत का कॉलर पकड़कर उसे जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद सोना देवी, गुड़िया, शीला और रीमा उसके ऊपर बैठ गईं, ताकि वह भाग न सके। आरोप है कि रामललित और रीमा ने यशवंत का गला दबाया, जबकि सोना देवी, गुड़िया और शीला उसके सीने पर चढ़कर पैरों से दबाती रहीं। कुछ देर बाद यशवंत की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, यशवंत की मौत के बाद रामललित और रीमा ने शव को उसकी बाइक के बीच में लाद दिया। रामललित बाइक चलाकर शव को गौरा से आगे धमौरा गांव से पहले नहर के पास सड़क किनारे छोड़ आया।

सुभाष चन्द्र अध्यक्ष, राहुल श्रीवास्तव मंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एसोसिएशन बोरिंग टेक्नीशियन लघु सिंचाई विभाग संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन कलेक्ट्रेट परिसर स्थित राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद कार्यालय परिसर में मण्डल अध्यक्ष आशीष शुक्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में वक्ताओं ने बोरिंग टेक्नीशियन कर्मचारियों की समस्याओं पर वृहद विचार के साथ ही एकजुटता और पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर संघर्ष पर जोर दिया। अधिवेशन के बाद चुनाव अधिकारी चन्द्रमणि त्रिपाठी की देख रेख में पदाधिकारियों का सर्वसम्मत से चयन हुआ। इसमें सुभाष चन्द्र पाण्डेय अध्यक्ष, आत्मजीत सोनी उपाध्यक्ष, राहुल श्रीवास्तव मंत्री, चक्रेश नारायण कोषाध्यक्ष, वीरेन्द्र कुमार सम्प्रेक्षक घोषित किये गये।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल ने कहा कि यदि कर्मचारी अपने अधिकारों के लिये एकजुट न हुये तो सरकार आने–वाले दिनों में एक–एक कर सुविधायें छीन लेगी। परिषद के मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली सहित अनेक मांगों को लेकर परिषद निरन्तर संघर्ष जारी रखे हुये हैं।

अधिवेशन में मुख्य रूप से सुशील पाण्डेय, घनश्याम शुक्ल, दिवाकर शुक्ल, अखिलेश, अनूप श्रीवास्तव, विनय यादव, विजय चौधरी, अतीक अहमद, वीरेन्द्र प्रताप, अमित कन्नौजिया, आलोक श्रीवास्तव, अखिलेश के साथ ही बोरिंग टेक्नीशियन कर्मचारी एवं विभिन्न संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

–एसोसिएशन बोरिंग टेक्नीशियन के अधिवेशन में उठे मुद्दे

समाधान दिवस में भूमि विवाद के शिकायतों की भरमार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के सभी 16 थानों पर शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम कृतिका ज्योत्स्ना और एसपी डॉ. यशवीर सिंह की अगुवाई में आयोजित समाधान दिवस में राजस्व की शिकायतों की भरमार रही। थानों पर पहुंची लगभग 90 फीसद तक प्रार्थना पत्र भूमि विवाद, नाली आदि के विवाद से संबंधित रहे। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संयुक्त टीमें गठित कर निस्तारण का निर्देश दिया।आला अफसरों ने राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों की जांच मौके पर जाकर की जाए और उनका समाधान समयबद्ध तरीके से किया जाए।

विशेष रूप से भूमि विवाद, कानून व्यवस्था और अन्य जनसामान्य से संबंधित मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई के लिए संयुक्त राजस्व–पुलिस टीमें गठित की गईं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से हो, ताकि आम जनता का विश्वास प्रशासन पर बना रहे। पुरानी बस्ती थाने पर एसएचओ शशांक शेखर राय ने जनसुनवाई कर शिकायतों का निस्तारण किया। इसी तरह कोतवाली, वाल्टरगंज, परसरामपुर, लालगंज, मुंडेरवा समेत सभी थानों पर जनसुनवाई चल रही है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 13 सितम्बर 2026 रविवार

सम्पादकीय

नई दिल्ली घोषणा पत्र को मंजूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 के पहले दिन शनिवार को बड़ी कूटनीतिक कामयाबी मिली। ब्रिक्स देशों ने आपसी सहमति से नई दिल्ली घोषणा पत्र को मंजूरी दे दी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मतभेद के चलते घोषणा पत्र पर सहमति बनना मुश्किल हो गया था। दोनों देशों ने शुरुआत में अपने रुख पर सख्ती दिखाई थी। इसके बाद पर्दे के पीछे कई दौर की बातचीत हुई। आखिरकार सभी सदस्य देश संयुक्त घोषणा पर राजी हो गए। पीएम मोदी ने पहले दिन की बैठक खत्म होने पर इसकी जानकारी दी।

ब्रिक्स में किसी भी फैसले के लिए सभी देशों की सहमति जरूरी होती है। अगर एक भी देश किसी घोषणा का विरोध करे तो साझा बयान जारी नहीं हो सकता। यही वजह थी कि ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मतभेद के बाद घोषणा पत्र पर बातचीत काफी अहम हो गई थी। सूत्रों के मुताबिक, अंतिम समय तक इसके मसौदे पर चर्चा चलती रही। कई दौर की बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच रास्ता निकाला गया। बैठक के पहले सत्र के अंत में प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी एक—दूसरे से हाथ मिलाते नजर आए।

पीएम मोदी ने अपने समापन भाषण में कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और इसे पुराने संस्थानों के सहारे नहीं चलाया जा सकता। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में बदलाव जरूरी है। इसमें देशों को उचित जगह देने, तेजी से काम करने और नए नियम बनाने पर ध्यान देना होगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भविष्य की तकनीक और उससे जुड़े नियम बनाने में ग्लोबल साउथ यानी विकासशील देशों की बराबर भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया में लिए जा रहे फैसलों और उनके जमीन पर दिखने वाले नतीजों के बीच का अंतर कम करना होगा। इसके लिए देशों को मिलकर काम करना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नई दिल्ली घोषणा पत्र ने ब्रिक्स देशों के साझा संकल्प को आगे बढ़ाने की साफ दिशा तय कर दी है। अब असली जिम्मेदारी इन फैसलों को जमीन पर उतारने की है। उन्होंने कहा कि सिर्फ घोषणाएं करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें ठोस नतीजों में बदलना होगा। भारत की मेजबानी में हो रहे दो दिवसीय ब्रिक्स सम्मेलन में दुनिया की बदलती व्यवस्था, विकासशील देशों की भूमिका, भविष्य की तकनीक और वैश्विक संस्थानों में सुधार जैसे मुद्दों पर चर्चा हो रही है। नई दिल्ली घोषणा पत्र को आम सहमति से मंजूरी मिलना भारत के लिए अहम कूटनीतिक उपलब्धि माना जा रहा है। सदस्य देशों की संलिप्तता वाले वैश्विक टकरावों के बीच, किसी प्रमुख बहुपक्षीय सम्मेलन में साझा बयान तैयार करना कभी आसान नहीं होता दृ भारत के लिए, साल 2023 में जी—20 शिखर सम्मेलन के बाद, दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी हाल के वर्षों में दूसरी मर्तबा है जब उसे ऐसी जिम्मेदारी उठानी पड़ी है। हालांकि, यही एक वजह नहीं है जिससे यह कहा जाए कि ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के जिम्मे मुश्किल समय में आयी है। पिछले कुछ मौकों पर जब भारत ने उभरती अर्थव्यवस्थाओं के इस गठबंधन की मेजबानी की — साल 2012 में, 2016 में, और 2021 में आभासी तौर पर — तो यह सिर्फ पांच प्रमुख शक्तियों का एक छोटा समूह था, जिसमें आम सहमति बनाना आसान था। साल 2024 में हुए विस्तार में इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई के जुड़ने और साल 2025 में इंडोनेशिया के शामिल होने के बाद, ब्रिक्स की पहचान विकसित हुई है, लेकिन कोई साझा फोकस अभी तक नहीं बन पाया है। इसके अलावा, ब्रिक्स सदस्यों की संलिप्तता वाले वैश्विक संघर्ष भी बढ़े हैं। ईरान से जुड़े युद्ध ने इस असर को काफी बढ़ा दिया है। ईरान, जो अमेरिका—इजराइल के हमलों का पीड़ित है, और यूएई, जिस पर ईरान ने बदले में हमला किया, ऐसे सदस्य हैं जो इस मसले पर किसी साझा नैरेटिव के लिए राजी होने को अनिच्छुक रहे हैं। इस साल की शुरुआत में इजराइल को लेकर भारत का रुख समूह के दूसरे सदस्यों के उलट था, क्योंकि पारंपरिक रूप से यह समूह इजराइल की कार्रवाइयों पर ज्यादा आलोचनात्मक रवैया अपनाता रहा है। हालांकि, बतौर मेजबान नयी दिल्ली की मुश्किलों में सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिका की ओर से है, जिसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्रिक्स पर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिकी डॉलर का दबदबा खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। वह ब्रिक्स के भीतर आपसी भुगतान और व्यापार बढ़ाने की योजना बनाने के लिए सभी सदस्य देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी भी देते रहे हैं। जब मोदी सरकार व्यापार और अपनी हिंद—प्रशांत रणनीति पर ट्रम्प प्रशासन के साथ संबंध सुधारने की कोशिश कर रही है, तब ब्रिक्स की मेजबानी अमेरिका का गुस्सा भड़का सकती है, भले ही उसका कोई तुक न हो।

ब्रिक्स की 'गूंज' वाशिंगटन से इस्लामाबाद तक खलबली

—अजय कुमार

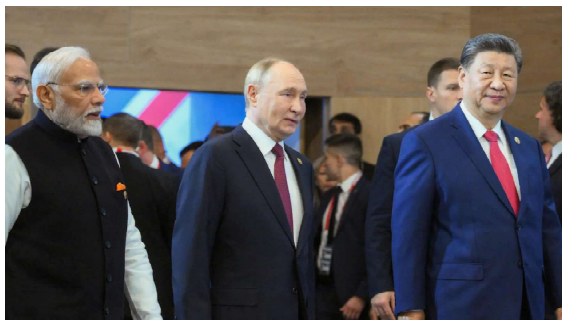

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मंच पर जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक साथ कैमरे के सामने आए, तो वाशिंगटन से लेकर पश्चिमी राजधानियों तक भू—राजनीतिक हलचल तेज होना लाजिमी था। दुनिया के इन तीन बड़े देशों के शीर्ष नेताओं का एक फ्रेम में दिखना इस बात का स्पष्ट संदेश है कि वैश्विक राजनीति अब एक ध्रुवीय यानी अमेरिकी नियंत्रण वाली नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर पूरी मजबूती से बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिका फर्स्ट और आक्रामक व्यापारिक नीतियों के दौर में यह तस्वीर व्हाइट हाउस के रणनीतिकारों के लिए एक बड़ी चेतावनी की तरह है। इससे अमेरिका को साफ संदेश जाता है कि वैश्विक दक्षिण यानी ग्लोबल साउथ के देश अब अमेरिकी दबाव या एकतरफा प्रतिबंधों के आगे घुटने टेकने को तैयार नहीं हैं, और वे अपने आर्थिक व कूटनीतिक हितों के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं तलाशने में जुट चुके हैं।

ट्रम्प प्रशासन की मनमानी और दुनिया भर में उसकी दादागिरी पर लगाम कसने के लिहाज से यह एकजुटता एक वैचारिक और आर्थिक ढाल का काम करती है। जिस प्रकार अमेरिका ईरान और अन्य विकासशील देशों के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाए हुए है और वैश्विक वित्तीय तंत्र का इस्तेमाल एक हथियार के रूप में करता है, उससे निपटने के लिए ब्रिक्स मंच का मजबूत होना जरूरी था। हालांकि, यह भी सच है कि केवल एक सम्मेलन से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की कार्यशैली रातों—रात नहीं बदल जाएगी, क्योंकि अमेरिका की सैन्य और आर्थिक ताकत अभी भी व्यापक है। इसके बावजूद, जब रूस, चीन और भारत जैसे देश एक मंच पर खड़े होकर अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को कम करने और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की बात करते हैं, तो ट्रम्प की उन धमकियों का असर कम होने लगता है जो वे अक्सर दूसरे देशों को पाबंदी लगाने के लिए देते हैं। ईरान जैसे देशों के मुद्दे पर, जो इस समय अमेरिकी आक्रामकता का सामना कर रहे हैं, ब्रिक्स का यह विस्तार और एकजुट रुख यह बताता है कि अमेरिका चाहकर भी पूरी दुनिया को अपनी मर्जी के मुताबिक हांक नहीं सकता।

भारत के दृष्टिकोण से इस कूटनीतिक निकटता और संतुलन के कई दूरगामी और व्यावहारिक फायदे हो सकते हैं। भारत एक तरफ पश्चिमी देशों और अमेरिका के साथ क्वाड जैसी साझेदारियों में शामिल है, तो दूसरी तरफ ब्रिक्स के जरिए रूस और चीन के साथ भी संवाद बनाए हुए। इसे भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की बड़ी जीत माना जा सकता है। ब्रिक्स के मंच पर रहने से भारत को रूस से ऊर्जा सुरक्षा (कच्चा तेल) सुनिश्चित करने में मदद मिलती है, जो अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद देश की आर्थिकी को संभाल कर रखती है। इसके अलावा, ग्लोबल साउथ के निर्विवाद नेता के रूप में भारत विकासशील देशों की आवाज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से रख पा रहा है। आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता, उन्नत तकनीक, आतंकवाद के खिलाफ साझा रुख और डिजिटल अर्थव्यवस्था में सहयोग जैसे मुद्दे भारत के आर्थिक विकास को नई गति दे सकते हैं। भारत ने यह साबित कर दिया है कि वह किसी भी एक महाशक्ति के खेमे में बंधने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए सबके साथ संतुलित संबंध रख सकता है।

इन भू—राजनीतिक समीकरणों के बीच दुनिया भर में यह सवाल सबसे ज्यादा प्रासंगिक बना हुआ है कि क्या कभी एशिया की दो महाशक्तियों यानी भारत और चीन के बीच के रिश्ते पूरी तरह सामान्य हो सकते हैं। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और पिछले कुछ वर्षों में उपजा अविश्वास गहरा है, जिसे रातों—रात नहीं मिटाया जा सकता। इसके बावजूद, कूटनीति में स्थायी शत्रुता या मित्रता जैसा कुछ नहीं होता, केवल स्थायी हित होते हैं। जब भारत और चीन वैश्विक मंचों जैसे ब्रिक्स या शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) पर मिलते हैं, तो वे इस बात को भली—भांति समझते हैं कि आपसी टकराव से केवल पश्चिमी ताकतों को फायदा पहुंचता है। हालिया मुलाकातों और व्यापारिक स्तर पर हो रही वार्ताओं से यह संकेत जरूर मिलते हैं कि दोनों देश कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर तनाव को एक निश्चित दायरे में प्रबंधित करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, चीन की विस्तारवादी फितरत और सीमा पर जारी संप्रभुता के मुद्दों को देखते हुए भारत पूरी तरह से आश्वस्त होकर आंखें मूंदने की स्थिति में नहीं है। इसलिए, चीन के साथ रिश्ते पूरी तरह सामान्य होना इस बात पर निर्भर करेगा कि बीजिंग भारत की संप्रभुता और सुरक्षा चिंताओं का कितना सम्मान करता है, लेकिन वर्तमान हालात यह जरूर बताते हैं कि कूटनीतिक बाध्यताएं दोनों देशों को बातचीत की मेज पर बनाए रखने के लिए मजबूर कर रही हैं।

उधर, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूस और चीन के शीर्ष नेतृत्व की सक्रियता और भारत की मजबूत उपस्थिति ने पड़ोसी देश पाकिस्तान के रणनीतिक हलकों में भी गहरी बेचैनी पैदा कर दी है। पाकिस्तान लंबे समय से खुद को चीन का ऑल—वेदर फ्रेंड और क्षेत्र में बीजिंग का सबसे भरोसेमंद मोहरा मानता आया है, लेकिन ब्रिक्स मंच पर चीन और रूस द्वारा भारत के साथ जिस तरह से कूटनीतिक समन्वय और वैश्विक समीकरणों पर चर्चा की गई है, उसने इस्लामाबाद के उस भ्रम को तोड़ दिया है जिसमें वह समझता था कि बीजिंग केवल उसके हितों को प्राथमिकता देगा। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इस समय अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है और वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) तथा पश्चिमी देशों की मदद के लिए लगातार जूझ रहा है, जबकि दूसरी ओर ब्रिक्स वैश्विक वित्तीय तंत्र और डॉलर के वर्चस्व का विकल्प तलाशने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

ऐसे में, जब चीन और रूस भारत के साथ एक ही मंच पर ग्लोबल साउथ के नेतृत्व और आर्थिक सहयोग की बात करते हैं, तो पाकिस्तान को यह डर सताने लगता है कि वैश्विक भू—राजनीति के बदलते इस दौर में उसका पारंपरिक महत्व पूरी तरह से समाप्त न हो जाए। इसके अलावा, ईरान और मध्य एशिया से जुड़े समीकरणों में भारत की बढ़ती कूटनीतिक पहुंच से पाकिस्तान और अधिक अकेला महसूस करने लगा है, क्योंकि अमेरिकी प्रतिबंधों और अंदरूनी राजनीतिक अस्थिरता के बीच इस्लामाबाद के पास न तो कोई ठोस आर्थिक विकल्प बचा है और न ही कोई ऐसा वैश्विक मंच जहां उसकी बात को उस तवज्जो के साथ सुना जाए जैसी वह उम्मीद करता है। ब्रिक्स देशों की इस बढ़ती निकटता ने पाकिस्तान को यह अहसास करा दिया है कि चीन और रूस के लिए राष्ट्रीय हित और वैश्विक बाजार पाकिस्तान की तुनकमिजाजी और भारत विरोध की राजनीति से कहीं ज्यादा बड़े हैं, जिससे उसकी विदेश नीति के समक्ष एक बड़ा अस्तित्वगत संकट खड़ा हो गया है।

जहरीली शराब बन रही काल

—ज्ञान चंद पाटनी—

देश में जहरीली शराब से मौत के बढ़ते मामले चिंताजनक हैं। ताजा मामला मध्यप्रदेश का है। राज्य के सागर जिले के बंडा और शाहगढ़ तहसील के गांवों में नकली व जहरीली शराब पीने से दो दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। कई लोगों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। एक माह के भीतर देश में यह दूसरी बड़ी शराब त्रासदी है जिससे समस्या की गंभीरता का पता चलता है। पिछले माह गुजरात के भावनगर जिले में नकली और जहरीली शराब पीने से एक दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। गत मई माह में भी महाराष्ट्र में जहरीली शराब से डेढ़ दर्जन से ज्यादा लोग कालकवलित होने का मामला सामने आया था। तमिलनाडु, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और असम में भी अवैध शराब के सेवन से मौत की कई घटनाएं हो चुकी हैं। वर्ष 2015 में मुंबई के मालवानी में जहरीली शराब से 100 लोगों की मौत हो गई थी। इसी तरह पंजाब में वर्ष 2020 में मिलावटी शराब पीने से 100 से अधिक लोग काल के ग्रास में समा गए थे। शराबबंदी के बावजूद बिहार के सारण में वर्ष 2022 में जहरीली शराब पीने से 40 लोगों की मौत ने पूरे देश को हिला दिया था। इसी तरह जून 2024 में तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब से 50 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। जिस देश में दूषित जल और नकली दवाइयों की वजह से लोगों की मौत के मामले सामने आते रहते हैं, वहां जहरीली शराब से होने वाली मौतें किसी को आश्चर्यचकित नहीं करती। फिर, शराब की लत के शिकार लोगों के प्रति हेय दृष्टि की वजह से ऐसे मामलों में पीड़ित लोग सहानुभूति तक के लिए तरस जाते हैं।

मध्यप्रदेश और गुजरात की शराब दुखांतिकाओं में एक खास समानता यह है कि दोनों ही मामलों में नकली ब्रांडेड शराब हादसे का कारण बनी। जाहिर है शराब माफिया अवैध रूप से निर्मित शराब की बोतलों पर ब्रांडेड शराब के लेबल लगा कर बेच रहे हैं। असली शराब में इथेनॉल होता है, जबकि नकली और अवैध शराब में औद्योगिक ग्रेड का मेथनॉल इस्तेमाल किया जाता है। यही ज्यादातर शराब त्रासदियों के लिए जिम्मेदार होता है। मध्यप्रदेश की शराब दुखांतिका के लिए भी यही जिम्मेदार माना जा रहा है। गुजरात में जिस नकली ब्रांडेड शराब पीने से हादसा हुआ उसमें करीब 38 प्रतिशत तक मेथनॉल पाया गया था। मेथनॉल का इस्तेमाल करके शराब बनाई जाती है तो वह जहरीली हो जाती है। मेथनॉल की गंध और स्वाद सामान्य शराब यानी इथेनॉल से मिलते—जुलते हो सकते हैं, जिससे मिलावट का पता लगाना मुश्किल होता है।

संविधान में सरकार से अपेक्षा की गई है कि वह शराब के सेवन को हतोत्साहित करने के लिए प्रयास करेगी। इसलिए शराब पर अधिक से अधिक टैक्स की पैरवी की जाती है और शराबबंदी के पक्ष में भी माहौल बनाया जाता है। शराब की वजह से सेहत ही नहीं, परिवार और समाज को होने वाले नुकसान के लिहाज से तो ये दोनों कदम ठीक लगते हैं लेकिन व्यवहार में इसके दुष्परिणाम सामने आते हैं। अत्यधिक टैक्स से वैध शराब महंगी हो जाने के कारण गरीबों की पहुंच से दूर हो जाती है। कमजोर वर्ग के लोग अवैध रूप से बनने वाली सस्ती शराब खरीदने लगते हैं, जो जानलेवा साबित होती है। मध्यप्रदेश में पीड़ितों के परिजनों और स्थानीय लोगों का कहना है कि यह शराब कुछ सस्ती थी और दुकानदारों ने भरोसा दिलाया था कि यह नकली नहीं है। सस्ती के चक्कर में लोगों ने इसे खरीदा जिससे कई लोग काल के ग्रास में समा गए। शराब पर ज्यादा से ज्यादा टैक्स लगाने से राजकोष जरूर भरता है लेकिन शराब पीने की प्रवृत्ति पर खास असर नहीं हो रहा। बाजार में सस्ती शराब की मांग के कारण अवैध रूप से शराब बनाने और बेचने का नेटवर्क जरूर मजबूत हो रहा है। इसलिए शराब की कीमतों को तर्कसंगत बनाया जाना चाहिए। दूसरी तरफ जब शराबबंदी लागू की जाती है, तो लोग ब्रांडेड शराब भी चोरी छिपे खरीदते हैं, जिससे नकली ब्रांडेड शराब का अवैध कारोबार भी जड़ें जमा लेता है। जैसे गुजरात में जो हादसा हुआ, उसमें पीड़ितों ने नामी ब्रांड की नकली शराब का सेवन किया था जो जहरीली थी।

लोगों को शराब से दूर रखने, उनका स्वास्थ्य बचाने और महिलाओं की सुरक्षा के लिए शराबबंदी का समर्थन किया जाता है। संविधान का आर्टिकल 47 (राज्य के नीति—निर्देशक तत्व) राज्य को शराबबंदी लागू करने के लिए प्रोत्साहित करता है। हालांकि नीति—निर्देशक तत्व कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं हैं, लेकिन इसमें कहा गया है कि " राज्य औषधीय उपयोग को छोड़कर नशीले पदार्थों और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नशीली दवाओं के सेवन पर रोक लगाने की कोशिश करेगा।" मुश्किल यह है कि जब शराबबंदी पूरी तरह लागू होती है तो अवैध बाजार बढ़ता है। शराब माफिया पनपता है। इसी वजह से ज्यादातर मामलों में शराबबंदी का प्रयोग विफल हुआ है। हरियाणा सरकार ने 1996 में शराबबंदी लागू की थी, लेकिन 1998 में इसे निरस्त कर दिया गया। आंध्र प्रदेश में 1994 में शराबबंदी लागू की गई, जिसे शीघ्र ही हटा लिया गया। केरल, मणिपुर और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने भी कुछ समय के लिए शराबबंदी लागू की थी, लेकिन बाद में इसे समाप्त कर दिया गया। वर्तमान में गुजरात और बिहार में शराबबंदी जरूर लागू है, लेकिन वहां भी अवैध शराब माफिया पनप गया है। गुजरात में नामी ब्रांड की नकली शराब पीने से हुआ हादसा इसका उदाहरण है।

मध्यप्रदेश और गुजरात के ताजा हादसे इस बात के गवाह है कि जिन राज्यों में शराबबंदी लागू है, वहां भी शराब माफिया का नेटवर्क मजबूत है और जिन राज्यों में शराबबंदी लागू नहीं है वहां भी शराब माफिया खुल कर खेल रहे हैं। इससे साफ है कि पुलिस, आबकारी विभाग और प्रशासन या तो शराब माफिया के आगे बेबस हैं या फिर मिलीभगत का खेल चल रहा है। दोनों ही स्थितियों में सरकारें अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकतीं।

देश में प्लास्टिक नोटों की पहल

—प्रो. पूर्णेन्दु रंजन—

देश के केंद्रीय बैंक द्वारा छोटे मूल्यवर्ग, खासकर 10 और 20 रुपये, में पॉलिमर यानी प्लास्टिक नोटों के ट्रायल का मकसद टिकाऊ, सुरक्षित और कम लागत वाली करेंसी बनाना है। जो कागज के मौजूदा नोटों से ज्यादा समय तक चले व नकली नोटों का चलन भी रुक सके। भारत की मुद्रा केवल कागज, सुरक्षा धागे और स्याही का भौतिक उत्पाद नहीं है, यह देश की संप्रभुता का प्रतीक, रोजमर्रा के सामाजिक भरोसे का ठोस माध्यम और राज्य की संस्थागत क्षमता का प्रतीक है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा छोटे मूल्यवर्ग,खासकर 10 रुपये और 20 रुपये, में पॉलिमर यानी प्लास्टिक नोटों के बड़े पैमाने पर फील्ड ट्रायल की दिशा में उठाए गए हालिया नीतिगत कदम देश की मौद्रिक यात्रा में दूरगामी मोड़ हैं। यह पहल नोटों के टिकाऊपन, मुद्रण लागत में कटौती व जालसाजी पर अंकुश का वादा तो करती है, लेकिन साथ ही पर्यावरण संतुलन, सामाजिक समावेशिता और करेंसी सुधार की राजनीति पर भी गंभीर विमर्श की मांग करती है।

वैश्विक पटल पर पॉलिमर बैंकनोट्स कोई सर्वथा नया प्रयोग नहीं है। वर्ष 1988 में ऑस्ट्रेलिया से शुरू होकर ब्रिटेन, कनाडा, वियतनाम और नाइजीरिया जैसे देशों ने इसे सफलतापूर्वक अपनाया है। इन देशों में पॉलिमर करेंसी को अपनाने का मुख्य कारण उसका लंबा जीवनकाल और उन्नत सुरक्षा तंत्र रहा है। पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में पॉलिमर नोट औसतन तीन से चार गुना अधिक चलते हैं।

भारत में छोटे मूल्यवर्ग के नोटों की स्थिति जमीनी स्तर पर अत्यंत दयनीय रहती है। सब्जी मंडी, ऑटो—रिक्शा, चाय की थड़ियों और स्थानीय हाट—बाजारों में 10 और 20 रुपए के नोट इतनी तेजी से हाथ बदलते हैं कि उनका औसत जीवनकाल बमुश्किल एक वर्ष ही रह जाता है। पसीने, नमी, धूल और बार—बार मोड़ने—मरोड़ने के कारण वे जल्द ही फट जाते हैं। रिजर्व बैंक की 'क्लीन नोट पॉलिसी' के तहत प्रतिवर्ष अरबों की संख्या में कटे—फटे और मैले नोट नष्ट कर उनकी जगह नोट छापने पड़ते हैं। इस प्रक्रिया में भारी वित्तीय संसाधन, विदेशी सबस्ट्रेट यानी नोट—पेपर का आयात और लॉजिस्टिक्स का खर्च शामिल होता है। पॉलिमर नोट पानी, तेल और गंदगी के प्रति प्रतिरोधी होते हैं। इन्हें बार—बार बदलने की दर घटने से केंद्रीय बैंक के मुद्रण खर्च में बड़ी कमी आएगी। इसके साथ ही, पारदर्शी शविंडोश और जटिल ऑप्टिकल सुरक्षा विशेषताओं के चलते नकली नोटों के संगठित नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाना कहीं अधिक संभव हो सकेगा।

पॉलिमर नोटों का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव भारत की विशाल अनौपचारिक इकोनॉमी पर पड़ेगा। रेहड़ी—पटरी वाले, छोटे दुकानदार, दिहाड़ी मजदूर और ग्रामीण परिवार रोजमर्रा के लेन—देन के लिए मुख्य रूप से नकदी पर ही निर्भर हैं। जब किसी आम नागरिक के हाथ में फटा हुआ नोट आता है और बाजार में उसे लेने से मना कर दिया जाता है, तो यह सिर्फ आर्थिक हानि नहीं बल्कि रोजमर्रा की असुविधा और गरिमा पर चोट का कारण बनता है। लंबे समय साफ—साबुत रहने वाले नोट आम जनता को लेन—देन में सुगमता और मानसिक सुरक्षा प्रदान करेंगे।

यह नीतिगत कदम इस व्यावहारिक सच्चाई को भी स्वीकार करता है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी के अभूतपूर्व प्रसार के बावजूद भारत में नकद लेन—देन पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता। डिजिटल भुगतान की बुनियादी सीमाएं हैंकृनेटवर्क कनेक्टिविटी, स्मार्टफोन की उपलब्धता और डिजिटल साक्षरता की बाधाएं अभी पूरी तरह दूर नहीं हुईं। प्रस्तावित पॉलिमर नोट कागजी मुद्रा के समांतर चलेंगे, जिससे सुनिश्चित होगा कि तकनीकी रूप से वंचित वर्ग वित्तीय प्रणाली के हाशिए पर न छूटे।

हालांकि, पॉलिमर नोटों की चमक के पीछे दो प्रमुख चुनौतियां भी छिपी हैंकृपहली पर्यावरणीय और दूसरी सांस्कृतिक व जलवायुगत। पॉलिमर नोट प्लास्टिक आधारित होने के कारण गैर—बायोडिग्रेडेबल हैं। भारत में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन और रीसाइक्लिंग का ढांचा अभी भी पूरी तरह संगठित नहीं। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों ने पुराने पॉलिमर नोटों को रिसाइकिल कर उनसे उपयोगी औद्योगिक उत्पाद बनाने की व्यवस्था तैयार की है। यदि भारत समय रहते मुद्रण के साथ—साथ ऐसे नोटों के वैज्ञानिक संकलन और रिसाइक्लिंग का तंत्र विकसित नहीं करता, तो वित्तीय बचत से अधिक बड़ा नुकसान पर्यावरणीय लागत के रूप में सामने आ सकता है।

दूसरी चुनौती भारत की विविध और चरम जलवायु परिस्थितियों से जुड़ी है। भीषण गर्मी, अत्यधिक नमी और धूल भरे माहौल में पॉलिमर नोटों के व्यवहार का जमीनी आकलन अनिवार्य है। इसके साथ ही, भारतीय संदर्भ में नोटों के सबस्ट्रेट को सांस्कृतिक और सामाजिक संवेदनाओं के अनुकूल रखना भी आवश्यक शर्त रही है। आम बोलचाल में 'प्लास्टिक' शब्द कई बार कृत्रिमता और अविश्वास से जुड़ जाता हैय ऐसे में जनमानस में इन नोटों की प्रामाणिकता और वैधता स्थापित करने के लिए जन—जागरूकता जरूरी होगी। पॉलिमर नोट महज एक तकनीकी या प्रशासनिक सुधार नहींय वे पारंपरिक कागजी मुद्रा और भविष्य की पूर्णतः डिजिटल अर्थव्यवस्था के बीच एक श्संक्रमणकालीन सेतुश की तरह हैं। वे नकद के आधुनिकीकरण का माध्यम हैं, जो यह स्वीकार करते हैं कि डिजिटल युग की ओर बढ़ते हुए भी जमीनी हकधीकध्तों और नकद की सामाजिक भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती। इस मौद्रिक सुधार की अंतिम सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि रिजर्व बैंक और सरकार आर्थिक लाभ, जन—स्वीकार्यता और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के बीच कैसा संतुलन साधते हैं। जब तकनीकी दक्षता और प्रशासनिक पारदर्शिता आम नागरिक के भरोसे से जुड़ेगी, तभी यह बदलाव देश के मौद्रिक इतिहास में एक स्थायी और सार्थक मील का पत्थर साबित हो सकेगा।— लेखक पंजाब विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं।

विनोद साहनी के परिवार से मिलने जा रहे अजय राय गिरफ्तार, थाने ले गई पुलिस

संवाददाता–गोण्डा। बर्तन कारोबारी विनोद साहनी हत्याकांड को लेकर शनिवार को सियासी हलचल तेज हो गई। पीड़ित परिवार से मिलने गोंडा जा रहे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को शहावपुर टोल प्लाजा पर पुलिस ने रोक लिया। इस दौरान पुलिस से उनकी तीखी नोकझोंक हुई। बाद में पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर मसौली थाने पहुंचाया। अजय राय के दौरे को देखते हुए गोंडा जाने वाले मार्ग पर जगह–जगह बैरिकेडिंग की गई थी। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, कई स्थानीय नेताओं को घरों में नजरबंद किया गया। पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब मंत्री डॉ. संजय निषाद पीड़ित परिवार के समर्थन में धरना दे सकते हैं तो कांग्रेस नेताओं को परिवार से मिलने से क्यों रोका जा रहा है। परसपुर के रेक्सड़िया गांव के रहने वाले बर्तन कारोबारी विनोद साहनी पर सोशल मीडिया पोस्ट के विवाद में कुछ लोगों ने हमला कर दिया था। गुरुवार की शाम लखनऊ में उनकी मौत हो गई। इसके बाद सपा, आजाद समाज पार्टी, बिहार के मुकेश सहनी की पार्टी के साथ ही संजय निषाद भी आंदोलित हो गए इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय विनोद साहनी के परिजनों से मुलाकात करने के लिए निकले। लेकिन मसौली टोल पर ही यूपी पुलिस ने उन्हें रोक दिया और अपने साथ थाने ले गई।

अजय राय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, भाजपा की तानाशाही और यूपी पुलिस का डर अब अपने चरम पर पहुच गया है। मैं गोंडा के कर्नलगंज (रेक्सेरिया) से दिवंगत बर्तन व्यवसायी स्वर्गीय विनोद साहनी के शोक संतप्त परिवार से मिलकर अपनी संवेदना व्यक्त करने जा रहा था। लेकिन भाजपा सरकार के इशारे पर पुलिस ने कठपुतली की तरह काम करते हुए मुझे बाराबंकी जिले के मसौली पुलिस स्टेशन पर गैर–कानूनी तरीके से गिरफ्तार कर लिया। अपराधियों पर लगाम लगाने में नाकाम यह सरकार पीड़ितों के आँसू पोंछने वालों से भी डरती है! ठश्रच चाहे कितने भी पहरे लगा ले, लोकतंत्र में जनता की आवाज और पीड़ितों की लड़ाई को दबाया नहीं जा सकता।

गोंडा में विनोद साहनी के परिवारीजनों से मिलने जा रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के साथ अन्य नेताओं को भी पुलिस ने मसौली टोल के पास रोक लिया। अजय राय के अलावा कांग्रेस के पूर्व विधायक अखिलेश प्रताप सिंह, आसिम वकार, नरेंद्र सिंह समेत अन्य नेता मौजूद थे।

इससे पहले विनोद साहनी की मौत की सूचना पर कैबिनेट मंत्री डॉक्टर संजय निषाद केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचे और डॉक्टरों से इलाज की जानकारी ली। इसके बाद पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की। आरोपियों पर कार्रवाई और पुलिस के रवैये से नाराज मंत्री समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। देर रात तक धरना–प्रदर्शन जारी रहा। मंत्री ने जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई की मांग की। उधर, घटना के दूसरे दिन पुलिस ने तीन आरोपियों शुभम, सुभाष और एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा एसपी ने थानाध्यक्ष कमल शंकर चतुर्वेदी और चौकी प्रभारी को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए।

मथुरा जन्मभूमि के लिए विश्व हिंदू महासंघ ने निकाली शोभायात्रा

संवाददाता–देवरिया। विश्व हिंदू महासंघ के आह्वान पर शनिवार को दिन में दो बजे देवरिया में मथुरा कृष्ण जन्मभूमि को लेकर शोभायात्रा निकाली गई। इसमें संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में महिलाएं झांकियों के साथ शामिल हुईं। कार्यकर्ताओं ने इस दौरान नारे भी लगाए। शोभायात्रा का नेतृत्व संगठन के जिलाध्यक्ष संजय तिवारी ने किया। विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष दिग्विजय किशोर शाही शोभायात्रा में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सनातन परंपरा और धार्मिक स्थलों के विकास के लिए काम कर रही है। शाही ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने काशी और अयोध्या के बाद मथुरा को लेकर अभियान आगे बढ़ाने की बात भी कही।

मंडल प्रभारी बृजेश तिवारी और जिला प्रभारी सुभाष तिवारी ने बताया कि ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ की पुण्यतिथि पर पूरे प्रदेश में कार्यक्रम हुए। इसी कड़ी में देवरिया में यह शोभायात्रा निकाली गई। संगठन के पदाधिकारियों ने इसे मथुरा जन्मभूमि अभियान में अपनी भागीदारी बताया। शोभायात्रा के बाद राम जानकी मंदिर परिसर में एक कार्यक्रम हुआ। यहां पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ के तैलचित्र पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री नीरज शाही, देवरिया ब्लॉक प्रमुख पिंटू जायसवाल, मंडल प्रभारी बृजेश तिवारी, जिला प्रभारी सुभाष तिवारी, जिलाध्यक्ष संजय तिवारी, जयप्रकाश पांडेय, जिला महामंत्री गुड्डू पहलवान, विश्वजीत मणि, अखिलेश मिश्रा, लाला बाबा, अमरनाथ तिवारी, गिरिजेश तिवारी, पिंटू सिंह, अशोक यादव, अच्छेलाल गुप्ता, वीरबल चौहान, जयराम तिवारी, संजय शर्मा, रमेश शर्मा और नरेंद्र मणि शामिल थे। मातृशक्ति की भी बड़ी भागीदारी रही। इनमें मालती चौहान, श्यामा शाही, विमला, रिंकू रानी जायसवाल, माला देवी, देवंती देवी, संगीता देवी, रीमा देवी, कस्तूरी देवी, कुसुमावती, सुनैना, रीना और लीलावती प्रमुख थीं। संगठन के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी शोभायात्रा में शामिल हुए।

मंडलायुक्त–डीआईजी, कजरी तीज से पहले परखी सुरक्षा व्यवस्था

संवाददाता–गोंडा। कजरी तीज पर लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए शनिवार को मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल, डीआईजी अशोक कुमार, डीएम प्रियंका निरंजन और एसपी अभिषेक ने सरयू घाट का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने घाट पर बैरिकेडिंग, प्रकाश, साफ–सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और गोताखोरों की उपलब्धता परखी। उन्होंने श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने, आवागमन सुगम रखने और सभी व्यवस्थाएं समय से पूरा करने के निर्देश दिए। 13 और 14 सितंबर को होने वाले कजरी तीज मेले में 10 से 12 लाख कांवड़ियों के पहुंचने का अनुमान है। सुरक्षा के लिए पूरे मेला क्षेत्र को दो जोन और 16 सेक्टर में बांटा गया है। करीब 2600 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा पीएसी, जल पुलिस, गोताखोर, अग्निशमन, स्वाट, डाग स्क्वाड और तीन क्यूआरटी भी तैनात रहेंगी। सरयू घाट से प्रमुख शिवालयों तक यातायात व्यवस्था के लिए बैरिकेडिंग और वैकल्पिक मार्ग तय किए गए हैं। प्रमुख स्थानों और मंदिर परिसरों में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होगी। संवेदनशील स्थानों पर ड्रोन से नजर रखी जाएगी। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए चार एंटी रोमियो टीमें सादे कपड़ों में तैनात रहेंगी।

मानदेय बढ़ाने, कैशलेस इलाज और मृतक परिजनों को नौकरी देने की मांग

संवाददाता–बहराइच। उत्तर प्रदेश ग्राम रोजगार सेवक संघ के सदस्यों ने शनिवार को बलहा विधायक सरोज सोनकर को मुख्यमंत्री के नाम चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन ब्लॉक अध्यक्ष मिहींपुरवा रमेश चंद्र मौर्य के नेतृत्व में दिया गया। इसमें रोजगार सेवकों ने अपनी समस्याओं के समाधान की मांग की।

संघ के जिलाध्यक्ष विद्याधर बाजपेई ने बताया कि ग्राम रोजगार सेवक पिछले करीब 19 सालों से ग्राम पंचायतों में मनरेगा और वर्तमान में वीबी–जी–रैम–जी योजना के तहत काम कर रहे हैं। इसके बावजूद उनके भविष्य और सेवा से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तक अपनी मांगें पहुंचाने के लिए प्रदेश संगठन के निर्देश पर विधायक को ज्ञापन दिया गया है।

जिला महामंत्री दीपक सिंह सेंगर ने बताया कि ज्ञापन में चार मुख्य मांगें हैं। इनमें 4 अक्टूबर 2021 को मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं को पूरा करना, ग्राम रोजगार सेवकों को कैशलेस इलाज की सुविधा देना, अलग बजट से 24 हजार रुपये हर महीने मानदेय देना और मृतक रोजगार सेवकों के परिवार वालों को नौकरी का लाभ देना शामिल है। संघ के पदाधिकारियों के अनुसार, विधायक सरोज सोनकर ने रोजगार सेवकों की मांगों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का भरोसा दिया है। उन्होंने इन मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री को पत्र भी भेजा है। इस ज्ञापन कार्यक्रम में सत्यनारायण, सचिन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, रमाशंकर, रीता देवी, मुन्नी कुमारी, सतीश कुमार, ओंकार, मनोज कुमार, पतिराम, मीरा पाल, गीता, कुसमा देवी, हेमलता साहनी, प्रेमचंद, सत्येंद्र कुमार, रिंकी देवी, किशन बहादुर और चांद कली समेत सैकड़ों ग्राम रोजगार सेवक मौजूद थे।

10वीं के 2 छात्रों ने लगा दी जान की बाजी, बहादुरी के कायल हुए एसपी शक्ति मोहन अवस्थी

संवाददाता–महराजगंज। 10वीं में पढ़ने वाले दो छात्रों ने ऐसी बहादुरी दिखाई कि जिले के एसपी शक्ति मोहन अवस्थी भी दोनों के कायल हो गए। एसपी ने दोनों छात्रों को सम्मानित करने का ऐलान किया है। इन दोनों छात्रों ने एक महिला को बचाने के लिए शुक्रवार को अपनी जान की बाजी लगा दी। महिला ने पारिवारिक कलह से दुखी होकर पुल से नारायणी नहर में छलांग लगा दी थी। उसे छलांग लगाता देख उधर से गुजर रहे ये दोनों छात्र वहीं रुक गए। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बगैर नहर में छलांग लगा दी है। नेपाल में बाढ़ की तबाही के बीच आजकल नारायणी नहर में भी पानी का बहाव बहुत तेज है लेकिन दोनों छात्रों ने महिला को पूरी तरह सुरक्षित करते हुए बाहर निकाल लिया।

घटना महराजगंज के निचलौल–सिसवा मार्ग पर नारायणी नहर के सात पांच पुल के पास की है। बहादुर छात्र कृष्ण गुप्ता महराजगंज के ही सेखुई गांव का रहने वाला है। जबकि सद्दाम हुसैन कोहड़वल का गांव का निवासी है। दोनों मसीह सेवाश्रम इंटर कॉलेज में 10वीं कक्षा में पढ़ते हैं। शुक्रवार को दोनों पुल के पास से गुजर रहे थे कि उन्होंने महिला को नहर में छलांग लगाते देखा। बिना एक पल की देर किए कृष्णा और सद्दाम ने नहर में छलांग लगा दी। छात्रों के साहस के आगे नहर में पानी का तेज बहाव भी महिला का कुछ बिगाड़ नहीं सका। छात्रों ने महिला को नहर में सुरक्षित किया और उसे धीरे–धीरे नहर से बाहर निकाल लिया।

दोनों छात्रों के प्रयास से महिला की जान बच गई। पुलिस की जांच में पता चला कि महिला महराजगंज के ही थाना कोठीभार क्षेत्र के जहदा गांव की रहने वाली 30 वर्षीया महिला की ससुराल छितौना–निचलौल में है। उसने पारिवारिक विवाद की वजह से यह कदम उठाया। महिला के परिजन पहुंचे और उसे अपने साथ घर ले गए। पुलिस प्रशासन ने दोनों छात्रों द्वारा अपनी जान जोखिम में डालकर महिला की जान बचाने के इस मानवीय और साहसिक काम की प्रशंसा की है। पुलिस अधीक्षक (ै) शक्ति मोहन अवस्थी ने कहा कि दोनों बहादुर छात्रों को सार्वजनिक रूप से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा, ताकि अन्य नागरिकों को भी संकट के समय निरूस्वार्थ मदद करने की प्रेरणा मिले।

दोनों छात्रों की बहादुर पर उनका स्कूल भी फक्र महसूस कर रहा है। मसीह सेवाश्रम इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य फादर प्रवीण पुलिंथनाथ को जब अपने कॉलेज के छात्रों के साहस की जानकारी हुई तो उन्होंने गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि छात्रों ने मानवता और साहस की मिसाल पेश की है। प्रधानाचार्य ने दोनों छात्रों को विद्यालय की असेंबली में सम्मानित करने की घोषणा की। छात्रों के साहस की क्षेत्र में सराहना के साथ चर्चा हो रही है। हर कोई दोनों छात्रों के साहस और बहादुरी की तारीफ कर रहा है।

देवीपाटन मंदिर में लगने वाले नवरात्र मेला की तैयारी शुरू, 823 पुलिस के साथ दो प्लाटून पीएसी रहेगी तैनात

संवाददाता–बलरामपुर। मां पाटेश्वरी देवीपाटन मंदिर तुलसीपुर में 11 अक्टूबर से शुरू हो रहे शारदीय नवरात मेला को लेकर जिला और मंदिर प्रशासन ने बैठक की। इसमें नव रात में मंदिर आने वाले भक्तों की संख्या को देखते हुए तैयारी की जाए। इस पर चर्चा की गई। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुलिस व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, चिकित्सा, बिजली, सफाई, पेयजल, जल निकासी, परिवहन, रेलवे तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विभागवार तैयारी पर मंथन किया गया।

जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने सभी संबंधित अधिकारियों को अपने विभाग से संबंधित तैयारियों को प्राथमिकता के आधार पर समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। कहा कि मेले के दौरान श्रद्धालुओं को मां पाटेश्वरी के दर्शन में किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा मंदिर एवं मेला परिसर में सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि गत वर्ष की व्यवस्था के आधार पर मेले में कुल 823 सिविल पुलिस, यातायात एवं एलआइयू कार्मिकों के साथ दो प्लाटून पीएसी की व्यवस्था प्रस्तावित है। पुलिस बल में राजपत्रित एवं अराजपत्रित अधिकारी, महिला पुलिसकर्मी, यातायात कर्मी, एलआइयू, फायर टेंडर एवं वायरलेस कर्मियों सहित आवश्यक बल की तैनाती की जाएगी।

मेला क्षेत्र में प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था के लिए क्षेत्र को जोन एवं सेक्टर में विभाजित करते हुए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। भीड़ प्रबंधन के लिए अलग से भीड़ प्रबंधन (क्राउड मैनेजमेंट प्लान), मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग, प्रवेश एवं निकास की सुव्यवस्थित व्यवस्था तथा संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। मेला क्षेत्र की निगरानी के लिए 30 सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन सर्विलांस, एचएचएमडीध्डीएफएमडी, बैगेज स्कैनर एवं अन्य आधुनिक सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग किया जाएगा। सादे वस्त्रों में महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मी भी तैनात रहेंगे। एलआईयू, एटीएस चेक टीम, बीडीएस एवं डाग स्क्वायड के माध्यम से भी सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखा जाएगा। यातायात व्यवस्था के तहत प्रमुख मार्गों पर बैरियर एवं डायवर्जन प्लान लागू किया जाएगा।

पार्किंग स्थलों का निर्धारण करते हुए श्रद्धालुओं के वाहनों को सुव्यवस्थित ढंग से खड़ा कराने और मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों पर अनावश्यक जाम न लगने देने के निर्देश दिए। बैठक महांत मिथलेश नाथ योगी की अध्यक्षता में देवीपाटन मंदिर परिसर सभागार में हुई। स्वास्थ्य विभाग मेला एवं मंदिर परिसर में अस्थायी चिकित्सालय स्थापित करेगा, जो 24 घंटे संचालित रहेगा। चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ एवं आवश्यक दवाओं की उपलब्धता के साथ ही 108 एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध रहेगी।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त टिकट खिड़की खोलने, जीआरपी एवं पुलिस बल की तैनाती तथा ट्रेनों के ठहराव के लिए समन्वय पर चर्चा की गई। परिवहन विभाग मेला परिसर से आने–जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बसों का रूट एवं समय–सारिणी निर्धारित करेगा। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पूछताछ केंद्र बनेगा। आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त बसों की तत्काल व्यवस्था की जाएगी। मेले के दौरान 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के निर्देश दिए गए हैं। मंदिर एवं मेला परिसर में पुराने एवं जर्जर तारों की जांच, आवश्यक मरम्मत तथा ट्रांसफार्मरों को रिजर्व में रखा जाएगा। जिलाधिकारी ने प्रशासनिक अधिकारियों को भी मेला अवधि में निरंतर भ्रमण एवं निगरानी करते हुए सभी व्यवस्थाओं को प्रभावी रूप से संचालित कराने के निर्देश दिए।

संयुक्त आयुक्त ने मनरेगा तटबंध कार्य का अचानक निरीक्षण किया, अभिलेख और श्रमिक सुविधाओं की जांच की

संवाददाता–बलरामपुर। संयुक्त आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग, उत्तर प्रदेश लखनऊ नागेंद्र मोहन त्रिपाठी ने शनिवार को मनरेगा के तहत चल रहे तटबंध कार्यों का अचानक निरीक्षण किया। वे विकासखंड हरैया सतघरवा की ग्राम पंचायत मथुरा पहुंचे। दोपहर करीब दो बजे बिना किसी पूर्व सूचना के हुए इस निरीक्षण से मौके पर मौजूद कर्मचारियों में हलचल मच गई। संयुक्त आयुक्त ने निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता को देखा। इसके साथ ही उन्होंने अभिलेखों की भी बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यस्थल पर उपलब्ध जॉब कार्ड, कार्य संबंधी पत्रावली और मस्टर रोल की जांच की। अभिलेखों में दर्ज श्रमिकों की उपस्थिति का मौके पर चल रहे काम से मिलान किया गया। उन्होंने अधिकारियों से कार्य की प्रगति और तय मानकों के बारे में जानकारी ली।

संयुक्त आयुक्त ने श्रमिकों की सुविधाओं पर भी खास ध्यान दिया। उन्होंने कार्यस्थल पर पीने के पानी, फर्स्ट एड किट और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मनरेगा कार्यस्थलों पर श्रमिकों की बुनियादी जरूरतों को अनदेखा न किया जाए। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि मनरेगा के तहत होने वाले हर काम में पारदर्शिता, गुणवत्ता और तय मानकों का पूरी तरह पालन हो। उन्होंने अभिलेखों में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने और काम की नियमित निगरानी करने को कहा।

तटबंध कार्य के निरीक्षण के बाद संयुक्त आयुक्त ने हरैया सतघरवा और श्रीदत्तगंज विकासखंड में ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अलग–अलग विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों से जमीनी हालात की जानकारी ली। बैठक में उन्होंने योजनाओं को लागू करने में गुणवत्ता और समय पर काम पूरा करने को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। साथ ही अभिलेखों के सही रखरखाव पर भी जोर दिया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक हर हाल में पहुंचे। उन्होंने लंबे समय से अटके कामों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने को भी कहा। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्रम रोजगार सुशील कुमार अग्रहरि, खंड विकास अधिकारी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, प्रशासक, कार्यस्थल पर काम कर रहे श्रमिक और गांव वाले मौजूद रहे।

कागज की गड्डी देकर 20 हजार ठगे

संवाददाता–देवरिया। खुखुंदू थाना क्षेत्र के खुखुंदू चौराहे पर शनिवार दोपहर करीब 12 बजे जालसाजों ने एक व्यक्ति से 20 हजार रुपए ठग लिए। आरोपियों ने रुमाल में लिपटी कागज की गड्डी को 2 लाख रुपए बताया और उसे थमा दिया। कुछ देर बाद रुमाल खोलने पर पीड़ित को ठगी का पता चला। पिपरी उर्फ बंदी निवासी राधेश्याम प्रसाद के बेटे विकास कुमार पढ़ाई करते हैं। उनके एडमिशन के लिए राधेश्याम को पैसों की जरूरत थी। इसी सिलसिले में वह शुक्रवार सुबह 20 हजार रुपए लेकर खुखुंदू चौराहे पहुंचे थे। उन्होंने जैन मंदिर मार्ग स्थित सेंट्रल बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र से 5 हजार रुपए और निकाले। इसके बाद केंद्र के बाहर खड़े एक युवक ने उनसे बातचीत शुरू की। राधेश्याम के मुताबिक, युवक उन्हें जैन मंदिर मार्ग की ओर ले गया। वहां उसका दूसरा साथी भी मौजूद था। दोनों ने रुमाल में लिपटी कागज की गड्डी दिखाई। इसे 2 लाख रुपए बताया। जालसाजों ने कहा कि गड्डी को पोस्ट ऑफिस में जमा करने पर उन्हें 15 हजार रुपए मिलेंगे। विश्वास जीतने के लिए आरोपियों ने कुछ रुपए देने की बात कही। इसके बाद बाकी रकम लेकर डाकघर चलने को कहा। राधेश्याम आरोपियों के झांसे में आ गए और उन्हें अपने 20 हजार रुपए दे दिए। कुछ देर बाद उन्होंने रुमाल खोलकर देखा तो उसमें सिर्फ कागज की गड्डी थी। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। अभी तक आरोपियों का पता नहीं चल सका है। सीओ गौरव सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सरकारी गेहूं खरीद में 60 लाख का घोटाला, पीसीएफ के सचिव और केंद्र प्रभारी पर मुकदमा

संवाददाता–बलरामपुर। सरकारी गेहूं खरीद में 60 लाख रुपये से ज्यादा का घोटाला सामने आया है। तुलसीपुर क्षेत्र के पीसीएफ से जुड़े दो गेहूं क्रय केंद्रों से करीब 228.764 मीट्रिक टन गेहूं गायब मिला है। गायब गेहूं की कीमत समर्थन मूल्य के हिसाब से 59 लाख 59 हजार 302 रुपये 20 पैसे आंकी गई है। अचानक हुए सत्यापन में स्टॉक गायब मिलने के बाद जिला प्रबंधक पीसीएफ की शिकायत पर प्रभारी सचिव श्रीप्रकाश सिंह और केंद्र प्रभारी महेंद्र मणि तिवारी के खिलाफ तुलसीपुर थाने में केस दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, 11 सितंबर 2026 को जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी गोविंद कुमार उपाध्याय, सहायक आयुक्त सहकारिता अजय कुमार मौर्य और अपर जिला सहकारी अधिकारी देवेंद्र प्रताप अग्रहरि की टीम ने बी–पैक्स तुलसीपुर के नचौरा–नचौरा और कौवापुर गेहूं क्रय केंद्रों का अचानक निरीक्षण किया। टीम के पहुंचने पर सरकारी खरीद के रिकॉर्ड में दर्ज स्टॉक और मौके पर मौजूद गेहूं के बीच बड़ा अंतर मिला। नचौरा केंद्र के रिकॉर्ड में साल 2026–27 के दौरान 420.87 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद दर्ज थी। इसमें से 353.759 मीट्रिक टन गेहूं भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को भेजा जा चुका था। रिकॉर्ड के मुताबिक, 67.111 मीट्रिक टन गेहूं केंद्र के गोदाम में बचा होना चाहिए था। लेकिन सत्यापन टीम को मौके पर गोदाम की चाबी नहीं मिली। खिड़कियों से अंदर झांकने पर गोदाम पूरी तरह खाली मिला। कौवापुर क्रय केंद्र पर भी ऐसी ही स्थिति मिली। यहां 322.600 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद दिखाई गई थी, जबकि 160.947 मीट्रिक टन गेहूं ही एफसीआई को भेजा गया था। बाकी 161.653 मीट्रिक टन गेहूं केंद्र पर मौजूद होना चाहिए था, लेकिन भौतिक सत्यापन में स्टॉक शून्य पाया गया। दोनों केंद्रों का मिलान करने पर कुल 228.764 मीट्रिक टन गेहूं मौके से गायब मिला। गेहूं का समर्थन मूल्य 2605 रुपये प्रति क्विंटल होने के कारण इसकी कीमत 59.59 लाख रुपये से ज्यादा बनती है।

जांच में अब नहीं चलेगी मनमानी, बिजली चोरी पर रहेगी कैमरे की नजर

संवाददाता–गोंडा। बिजली चोरी की जांच और कार्रवाई को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और विवाद रहित बनाने के लिए देवीपाटन मंडल में नई हाईटेक व्यवस्था लागू की जा रही है। अब बिजली चोरी की जांच करने पहुंचने वाली विजिलेंस और विभागीय जांच टीमों की हर गतिविधि कैमरे में कैद होगी। मुख्य अभियंता बिजली के निर्देश पर जांच टीमों को बॉडी वार्न कैमरों से लैस किया जा रहा है। इससे जांच के दौरान होने वाली कार्रवाई की निगरानी सीधे मुख्यालय से की जा सकेगी। बॉडी वार्न कैमरे जांच करने वाले कर्मचारी के सीने या कंधे पर लगाए जाएंगे। इनमें हाई डेफिनेशन वीडियो के साथ ऑडियो रिकार्डिंग की सुविधा भी होगी। जांच टीम जब किसी उपभोक्ता के परिसर में पहुंचेगी तो वहां की कार्रवाई कैमरे में रिकॉर्ड होगी।

इंटरनेट नेटवर्क के माध्यम से कैमरे से प्राप्त डेटा मुख्यालय तक पहुंचाया जाएगा। इससे अधिकारी जरूरत के अनुसार जांच की पूरी प्रक्रिया की निगरानी और रिकॉर्डिंग की समीक्षा कर सकेंगे। देवीपाटन मंडल के गोंडा, बहराइच, बलरामपुर और श्रावस्ती में 114 उपकेंद्रों से करीब सवा 14 लाख उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति की जा रही है। विभाग ने अभी 14 बॉडी वार्न कैमरे उपलब्ध कराए गए हैं। इनका इस्तेमाल बिजली चोरी की जांच, छापेमारी और अन्य महत्वपूर्ण कार्रवाई के दौरान किया जाएगा। विभाग का मानना है कि तकनीक के इस्तेमाल से जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और मौके पर होने वाले विवादों को कम करने में मदद मिलेगी। बिजली चोरी की जांच के दौरान कई बार उपभोक्ता और जांच टीम के बीच आरोप–प्रत्यारोप की स्थिति बन जाती है। उपभोक्ता कार्रवाई को लेकर सवाल उठाते हैं तो विभागीय टीमों पर भी मनमानी या गलत तरीके से जांच करने के आरोप लगते रहे हैं। अब मौके की पूरी कार्रवाई रिकॉर्ड होने से ऐसी शिकायतों की वास्तविकता की जांच करना आसान होगा।

मुख्य अभियंता बिजली यदुनाथ यथार्थ का कहना है कि उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने के साथ बिजली चोरी रोकने और बकाया बिजली वसूली के लिए विभिन्न तरह केहर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष का काफिला पुलिस ने रोका

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के भिनगा में शनिवार को एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली के काफिले को पुलिस ने रोक दिया। वे बसपा से निकाले गए नेता हाजी दद्दन खान को पार्टी में शामिल कराने के लिए श्रावस्ती पहुंचे थे। शनिवार 5:00 बजे जनप्रतिनिधियों ने बताया कि पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए शौकत अली और हाजी दद्दन खान को बातचीत के लिए बुलाया है। बताया जा रहा है कि शौकत अली अपने समर्थकों के साथ जिला मुख्यालय भिनगा से होते हुए सिरसिया स्थित हाजी दद्दन खान के घर जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने उनके काफिले को रोक दिया।बड़ी संख्या में एआईएमआईएम कार्यकर्ता और समर्थक काफिले में मौजूद थे।

हाजी दद्दन खान पहले बसपा के टिकट पर लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। हाल ही में बसपा से निकाले जाने के बाद उनके एआईएमआईएम में शामिल होने की चर्चा राजनीतिक गलियारों में तेज है। माना जा रहा है कि एआईएमआईएम आने वाले भिनगा विधानसभा चुनाव में दद्दन खान को अपना उम्मीदवार बना सकती है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, भिनगा विधानसभा क्षेत्र में मुस्लिम मतदाताओं की अहम भूमिका है। ऐसे में अगर दद्दन खान को एआईएमआईएम का उम्मीदवार बनाया जाता है, तो इसका असर विधानसभा चुनाव के समीकरणों पर पड़ सकता है। खासकर समाजवादी पार्टी के लिए इसे एक चुनौती माना जा रहा है। अभी भिनगा विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी की विधायक इंद्राणी वर्मा हैं।

हालांकि, एआईएमआईएम की तरफ से हाजी दद्दन खान को भिनगा विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाने की अभी अधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

जनचौपाल के साथ ही विभिन्न परियोजनाओं का विधायक अजय सिंह ने लिया जायजा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया विधानसभा क्षेत्र में जनसमस्याओं के समाधान और विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विधायक अजय सिंह ने शनिवार को व्यापक क्षेत्र भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने जनचौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से संवाद किया तथा शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य और पर्यटन से जुड़ी करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, समर्पण एवं संकल्प के 25 वर्षों को समर्पित सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम शंकरपुर में शिवकुमार मौर्य के आवास पर आपका सेवक आपके द्वार जन चौपाल लाभार्थी सम्मेलन आयोजित किया गया। विधायक ने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों से संवाद कर स्थानीय समस्याओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को सुना। समस्याओं के प्रभावी और शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। साथ ही पात्र लोगों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया। क्षेत्र भ्रमण के दौरान विधायक ने

विकासखंड परसरामपुर के ग्राम धारमपुर में करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन स्टेडियम तथा लगभग 29 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित राजकीय पॉलिटेक्निक का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की बारीकी से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि ये परियोजनाएं क्षेत्र के युवाओं के लिए खेल, तकनीकी शिक्षा और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराएंगी। इसके बाद विधायक ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसरामपुर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में दवाओं, एंटी–वेनम वैक्सीन तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी ली और मरीजों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।विकासखंड विक्रमजोत के अमोढ़ा स्थित पौराणिक चतुर्भुजी मंदिर परिसर में पर्यटन विभाग द्वारा करीब 1.10 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन गेस्ट हाउस का भी निरीक्षण किया गया। वहीं कप्तानगंज क्षेत्र के परमहंस दास कुटी, पलिवारपुर रकबा में लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से बन रहे गेस्ट हाउस की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया।विधायक अजय सिंह ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान और विकास कार्यों की गुणवत्ता उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हर्रैया को शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और पर्यटन के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ाने के लिए विकास परियोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जाएगा।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के लिए निकाली शोभायात्रा

संवाददाता–संतकबीरनगरर। विश्व हिंदू महासंघ के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को खलीलाबाद में एक शोभायात्रा निकाली। यह शोभायात्रा श्रीकृष्ण जन्मभूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने और वहां एक बड़ा मंदिर बनाने की मांग को लेकर निकाली गई थी। इसमें संगठन के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। शोभायात्रा की शुरुआत जूनियर हाई स्कूल मैदान से हुई। विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष दिनेश चतुर्वेदी और प्रदेश मंत्री छेदी यादव के नेतृत्व में यह शहर के मुख्य रास्तों से गुजरी। कार्यकर्ता इस दौरान श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के नारे लगाते रहे। शोभायात्रा बैंक चौराहा, गोला बाजार, चंद्रशेखर चौराहा जैसे कई रास्तों से होते हुए मेहदावल बाईपास पहुंची। इसके बाद यह वापस समय माता मंदिर परिसर आकर खत्म हुई।

शोभायात्रा खत्म होने के बाद संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मंदिर परिसर में हवन–पूजन किया। इस मौके पर राष्ट्रसंत महंत अवैद्यनाथ महाराज को श्रद्धांजलि दी गई और उनके योगदान को याद किया गया।

जिलाध्यक्ष दिनेश चतुर्वेदी ने बताया कि राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण आंदोलन में राष्ट्रसंत महंत अवैद्यनाथ महाराज की खास भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनने के बाद अब संगठन का मुख्य लक्ष्य श्रीकृष्ण जन्मभूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराकर वहां एक बड़ा मंदिर बनाने की मांग को मजबूती से उठाना है।

उन्होंने यह भी बताया कि संगठन श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े मुद्दे पर लगातार लोगों को जागरूक कर रहा है और अलग–अलग कार्यक्रम कर रहा है। शोभायात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं में काफी जोश दिखा।

इस मौके पर मयंक राय, श्याम नारायण तिवारी, शिखा अग्रहरी, अखिलेश मिश्रा, शिव बहादुर सिंह, शीला सिंह, बृजनंदन मिश्र, अजीत कुमार अग्रहरी और ज्ञान जायसवाल समेत बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे।

पॉलिटेक्निक छात्र ने फंदा लगाकर की खुदकुशी

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद थाना क्षेत्र के बरई टोला मोहल्ले में शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे 22 वर्षीय पॉलिटेक्निक छात्र ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है। मृतक की पहचान बरई टोला निवासी मुन्ना चौरसिया के रूप में हुई है। वह सुभाष प्रसाद चौरसिया का बेटा था। परिजनों के मुताबिक, शनिवार सुबह उसने अज्ञात कारणों से घर की छत की कुंडी में दुपट्टे से फांसी लगा ली। घटना का पता चलने पर परिवार के लोगों में चीख–पुकार मच गई। मुन्ना गोरखपुर के एक पॉलिटेक्निक संस्थान में पढ़ाई कर रहा था। वह 22 वर्ष का था। परिवार के लोगों को घटना के पीछे की वजह की जानकारी नहीं हो सकी। युवक की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। आसपास के लोगों में भी घटना को लेकर चर्चा रही। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बरदहिया चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शनिवार दोपहर करीब 3 बजे शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू की। घटना को लेकर पुलिस की जांच जारी है। बरदहिया चौकी प्रभारी अनिल कुमार यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है। फिलहाल युवक ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। मुन्ना की मौत की खबर मिलते ही बरई टोला मोहल्ले में शोक का माहौल हो गया। परिवार के लोग सदमे में हैं। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाल वाटिका के बच्चों को वितरित की गईं पुस्तकें व शिक्षण सामग्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

पौली (संतकबीरनगर)। शिक्षा क्षेत्र पौली में प्राथमिक विद्यालय नकहा में शनिवार को शिक्षक–अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे बाल वाटिका में नामांकित बच्चों को पुस्तकें एवं शिक्षण सामग्री वितरित की गई। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एआरपी राकेश यादव व इंचार्ज प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर मल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। एआरपी राकेश यादव ने बाल वाटिका की उपयोगिता पर विस्तार से विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि कान्वेंट स्कूलों में जैसे एलकेजी चलता है, उसी तरह प्राथमिक में बाल वाटिका है। बच्चो को खेल खेल के माध्यम से विद्यालयी वातावरण के प्रति सहजता विकसित करने व उनकी बुनियादी क्षमताओं को मजबूत किया जाएग। बच्चों को कलांकुर, चहक एवं कदम पुस्तकें तथा कापी, कलर, रबर, पेंसिल और कटर आदि सामग्री प्रदान की गई।

इंचार्ज प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार ने आए हुए अतिथियों व अभिभावकों का स्वागत आभार व्यक्त करते हुए बच्चों के ठहराव पर विस्तार से बताया।

कार्यक्रम मे अध्यापक कुलदीप कुमार यादव, सुचिता वर्मा, नित्यानंद त्रिपाठी, शिक्षक संकुल अखिलेश कुमार गौतम, गिरजेश कुमार, महफूजुल हसन, नीलम, रिंकू, शकुंतला, कुसुम, आरती, मनोजा, मिसलावती, संत प्रकाश सहित तामम अभिभावक मौजूद रहे।

रामनगरी में नई रेल लाइनों के विस्तार से सुगम होगा ट्रेनों का संचालन, व्यापार और पर्यटन दोनों को मिलेगा बढ़ावा

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी में रेल यातायात को और अधिक सुगम व तेज बनाने के लिए रेलवे प्रशासन निरंतर प्रयास कर रहा है। रेलवे ट्रैकों के विद्युतीकरण और दोहरीकरण के बाद अब तीन नई रेल लाइनों के विस्तार की योजना तेजी से दौड़ रही है। इन लाइनों के पूरा होने से अयोध्या सेक्शन में ट्रेनों का संचालन पहले से कहीं अधिक बेहतर हो जाएगा और यात्रियों को सुविधा मिलेगी। नए विस्तार कार्यों में दर्शननगर से कटरा, दर्शननगर से मसौधा तथा मसौधा से सालारपुर तक की रेल लाइनों का निर्माण शामिल है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण दर्शननगर से कटरा बाइपास रेल लाइन है। इसके बनने से गोंडा, मनकापुर और बस्ती की ओर से अयोध्या आने वाली ट्रेनों को सीधे दर्शननगर से आगे निकाला जा सकेगा। वर्तमान में इन ट्रेनों को अयोध्या में इंजन बदलना पड़ता है, जिससे समय की बर्बादी होती है। नई बाइपास लाइन के कारण इंजन परिवर्तन की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी, जिससे समय की बचत होगी। इससे ट्रेनों की समयबद्धता भी सुधरेगी। इसके अलावा मसौधा और सालारपुर के बीच नई रेल लाइन का निर्माण भी प्रस्तावित है। इसका मुख्य उद्देश्य लखनऊ और सुलतानपुर के बीच सीधा व सुगम आवागमन सुनिश्चित करना है।

साथ ही इन रूटों पर चलने वाली ट्रेनों के अयोध्या कैंट पर अनावश्यक ठहराव को रोकना भी है। वर्तमान व्यवस्था में सुलतानपुर से लखनऊ की ओर जाने वाली ट्रेनों को पहले अयोध्या कैंट आना पड़ता है। वहां पहुंचने के बाद ट्रेन को बैक करके गंतव्य की ओर भेजा जाता है। इस प्रक्रिया से अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर ट्रैक अनावश्यक रूप से व्यस्त रहता है, जिससे अन्य ट्रेनों के संचालन में भी बाधा उत्पन्न होती है।नई रेल लाइनों के निर्माण से अयोध्या कैंट स्टेशन पर भीड़ और ट्रैक व्यस्तता कम होगी। दर्शननगर से मसौधा और मसौधा से सालारपुर तक के ट्रैक विस्तार से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी। यात्री लखनऊ–सुलतानपुर मार्ग पर आसानी से यात्रा कर सकेंगे और अयोध्या आने–जाने वाली ट्रेनों का प्रवाह भी सुचारू रहेगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार दर्शननगर से मसौधा के बीच रेलवे लाइन का सर्वे हो रहा है, जबकि दो अन्य लाइनों का सर्वे पूरा हो चुका है। इन परियोजनाओं पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। विद्युतीकरण और दोहरीकरण के बाद ये तीन नई लाइनें अयोध्या सेक्शन की क्षमता को बढ़ाएंगी। बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

बच्चे के चढ़ने से पहले ड्राइवर ने चला दी बस, घर के सामने ही मासूम की दर्दनाक मौत

संवाददाता–गोरखपुर। शनिवार की सुबह–सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक बच्चे के चढ़ने से पहले ही स्कूल बस के ड्राइवर ने बस चला दी। बस की चपेट में आकर अपने घर के सामने ही मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से गुस्साई भीड़ ने ड्राइवर को पकड़कर पीट दिया और बस में तोड़फोड़ कर दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ड्राइवर को हिरासत में ले लिया। वहीं, तनाव को देखते हुए मौके पर फोर्स तैनात कर दी गई है। हादसे का शिकार हुआ बच्चा अपने माता–पिता का इकलौता बेटा था। घटना, गोरखपुर के पिपराइच थाना क्षेत्र के नइयापार की है। रोज की तरह शनिवार की सुबह बच्चे स्कूल जाने की तैयारी में थे। स्कूल बस में चढ़ने के लिए खड़े पांच साल के हिमांशु के बस में चढ़ने से पहले ही ड्राइवर लापरवाही ने बस चला दी। बच्चा बस के नीचे आ गया। बस ने उसे बुरी तरह कुचल दिया। बस के पहिए के नीचे आने से उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। यह सारा कुछ बच्चे के घर के ठीक सामने हुआ। हादसे के बाद हिमांशु के घर से लेकर आसपास के घरों तक में कोहराम मच गया। मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत और इसमें ड्राइवर की लापरवाही सामने आने पर लोगों का गुस्सा भड़क गया। लोगों ने ड्राइवर को पकड़कर पीटना शुरू कर दिया।

इसी दौरान किसी ने इस घटना की सूचना पुलिस को दे दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच पुलिस ने किसी तरह स्थिति संभाली। हिमांशु उसी बस से एचडी पब्लिक स्कूल, अराजी चौरी पढ़ने जाता था। वह अपने माता–पिता का इकलौता बेटा था। रोज सुबह हिमांशु बड़े उत्साह से स्कूल जाने के लिए तैयार होता था। किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि शनिवार की सुबह उसके लिए आखिरी होगी। रोज की तरह शनिवार की सुबह भी हिमांशु ने नहा–धोकर स्कूल की यूनिफार्म पहनी और बस का इंतजार करने लगा।

सुबह करीब सवा आठ बजे बस पांच साल के हिमांशु के घर के दरवाजे पर पहुंची थी। बस में चढ़ने के लिए तीन बच्चे खड़े थे। दो बच्चे बस में चढ़ गए, जबकि हिमांशु तीसरे बच्चे के रूप में बस में चढ़ने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान चालक ने बस चला दी। हिमांशु बस के पहिए के नीचे आ गया। गंभीर रूप से घायल बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और आसपास के लोग मौके पर जुट गए। इकलौते बेटे की मौत से परिवार में चीख–पुकार मच गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने चालक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई शुरू कर दी। सूचना पर पहुंची पिपराइच पुलिस ने चालक को कब्जे में लिया और लोगों को शांत कराया। नइयापार निवासी हरिकेश का पुत्र हिमांशु परिवार में इकलौता बेटा था। उसकी नौ माह की छोटी बहन है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के कारणों और चालक की लापरवाही की जांच की जा रही है।

आईआईएसईआर में चयनित होकर शुभी ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ब्रह्मदेव इन्द्रमती त्रिपाठी महिला पीजी कॉलेज हर्रैया की बी. एससी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा शुभी श्रीवास्तव का इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), बहरामपुर में चयनित होकर महाविद्यालय सहित पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। छात्रा की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्रबंधक, शिक्षक एवं शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। शुभी के इस उल्लेखनीय सफलता को महाविद्यालय परिवार ने छात्रा की मेहनत, लगन और प्रतिभा का परिणाम बताया है।

महाविद्यालय के प्रबंधक सुभाष चन्द्र त्रिपाठी ने शुभी श्रीवास्तव को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प का उत्कृष्ट परिणाम है। उन्होंने कहा कि किसी छात्र की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं होती, बल्कि वह शिक्षण संस्थान सहित पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बनती है। शुभी ने अपनी सफलता से महाविद्यालय की अन्य छात्राओं के सामने एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। हमें विश्वास है कि वह भविष्य में विज्ञान एवं शोध के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर देश और समाज का नाम रोशन करेंगी। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति, बस्ती के अध्यक्ष प्रेरक मिश्र तथा महाविद्यालय की प्राध्यापिका ज्योतिमा तिवारी एवं प्राध्यापक प्रद्युम्न उपाध्याय, संस्कृति पाण्डेय, प्रभाकर, दीपक यादव और निखिल ने भी शुभी श्रीवास्तव को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महाविद्यालय परिवार ने शुभी श्रीवास्तव एवं उनके पिता अजय कुमार श्रीवास्तव को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि छात्रा की सफलता पूरे महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। विश्वास व्यक्त किया गया कि शुभी आगे भी शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर अपने परिवार, महाविद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगी।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– T202517630201208

धारा 144 उ0प्र0रा0स0–2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बांसी जिला सिद्धार्थनगर

रामदेव

बनाम

फखरूल आदि

साकिन सथवा तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

1. फखरूल हसन पुत्र नायव अली साकिन तुरसिया तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

–प्रतिवादी प्रथम पक्ष

2. राज्य सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी महोदय सिद्धार्थनगर 3. ग्राम पंचायत तुरसिया तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर ग्राम प्रधान सथवा तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 22–09–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 22 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 11 माह 09 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

युवा व्यक्तिगत हित के साथ राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी समझें –दीपक विस्पुते

संवाददाता–गोरखपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से बड़हलगंज और सरदारनगर खंड के माढ़ापार में युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्यक्रमों में अखिल भारतीय सह बौद्धिक प्रमुख दीपक विस्पुते ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका का बोध कराया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने व्यक्तिगत हितों के साथ समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझना होगा। राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए युवाओं में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना जरूरी है।

बड़हलगंज में शहीद राजा हरि प्रसाद मल्ल राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में दीपक विस्पुते ने कहा कि युवा जिस भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, उन्हें अपने कार्य को ईमानदारी, निष्ठा और देशसेवा की भावना से करना चाहिए। व्यक्ति अपने दायित्व को पूरी निष्ठा और राष्ट्रहित की भावना से निभाता है तो वह भी राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहा है।

उन्होंने कहा कि युवाओं को

केवल अधिकार मांगने वाला नागरिक नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों को निभाने वाला जिम्मेदार नागरिक बनना चाहिए। युवा अवस्था जीवन का वह दौर है, जब ऊर्जा, सपने और उन्हें पूरा करने का साहस सबसे अधिक होता है। इस ऊर्जा का इस्तेमाल समाज और राष्ट्र के हित में किया जाना चाहिए।

माढ़ापार स्थित एसकेजीएन इंटर कॉलेज के सभागार के संवाद में उन्होंने कहा कि युवाओं को हमेशा यह सोचना चाहिए कि वे अपने राष्ट्र को क्या दे सकते हैं। देश की प्रगति और समाज की मजबूती में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने भगवान श्रीराम के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि श्रीराम ने समाज को संगठित करने और लोगों को जोड़ने का संदेश दिया। उनके जीवन से कर्तव्य के प्रति समर्पण, समाज की एकजुटता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने युवाओं से समाज को संगठित और मजबूत बनाने में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। कहा कि देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले शहीदों के बलिदान का सम्मान तभी होगा, जब युवा राष्ट्रहित को जीवन में प्राथमिकता देते हुए देश की प्रगति में ईमानदारी से योगदान देंगे। बड़हलगंज के कार्यक्रम का संचालन वेदव्रत मिश्र ने किया। इस दौरान प्रांत प्रचारक रमेश, विभाग प्रचारक अजय नारायण, जिला संचालक श्रीनिवास, जिला कार्यवाह पवन, सह जिला प्रचारक अविनाश, महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्य प्रमुख अभिषेक, गोला खंड कार्यवाह जयराम सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे। समापन वंदे मातरम् गीत से हुआ।

महंत अवेद्यनाथ सामाजिक समरसता और राष्ट्रभक्ति के महान पुंज –महापौर

संवाददाता–गोरखपुर। राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 12वीं पुण्यतिथि पर 12 सितम्बर को नगर निगम परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर महापौर डॉ. मंगलेश कुमार श्रीवास्तव और नगर आयुक्त अजय जैन ने अधिकारियों के साथ श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस दौरान महंत अवेद्यनाथ के सामाजिक और राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया। महापौर डॉ. मंगलेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि गोरक्षपीठ के पूर्व पीठाधीश्वर राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ सनातन धर्म, सामाजिक समरसता और राष्ट्रभक्ति के महान पुंज थे। उनका पूरा जीवन समाज कल्याण, छुआछूत के उन्मूलन और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रहा। धर्म–अध्यात्म के साथ उन्होंने शिक्षा, चिकित्सा और राजनीति के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उनका जीवन सदैव समाज को प्रेरणा देता रहेगा।नगर आयुक्त अजय जैन ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और सामाजिक समरसता के प्रखर संवाहक तथा श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार थे। सामाजिक समरसता के अग्रदूत के रूप में उन्होंने समाज में व्याप्त भेदभाव और छुआछूत को मिटाने के लिए ऐतिहासिक प्रयास किए। दलित बस्तियों में जाकर सहभोज की परंपरा शुरू कर उन्होंने सामाजिक एकता और समरसता को नई दिशा दी। इस दौरान नगर निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

फुटपाथ से अतिक्रमण हटा, निर्माण की खामियां दुरुस्त करने में जुटी टीम

संवाददाता–गोरखपुर। सीएम ग्रिड फेज–1 की 1.88 किलोमीटर लंबी स्मार्ट सड़क लोकार्पण से पहले ही निर्माण संबंधी खामियों को लेकर नगर आयुक्त अजय जैन के रडार पर है। नगर आयुक्त के निरीक्षण में चिन्हित खामियों के बाद शनिवार 12 सितंबर को प्रवर्तन दल की अगुवाई में स्मार्ट सड़क के फुटपाथ से अतिक्रमण हटा। वहीं, कार्यदायी संस्था मेसर्स शिवाश कंस्ट्रक्शन एण्ड ल्युमस इंफ्रा (जेवी) के कर्मचारी मौके निर्माण संबंधी कमियों को दूर करने में जुटे रहे। राप्तीनगर हाइडिल स्टेशन से मतेनहेलिया के मकान होते हुए दूरदर्शन केंद्र के रास्ते मेडिकल कॉलेज रोड और रिद्धि हॉस्पिटल से शाहपुर थाना होते हुए मेडिकल कॉलेज रोड तक यह स्मार्ट सड़क विकसित की जा रही है।

45.03 करोड़ की यह परियोजना 30 मई तक पूरी होनी थी लेकिन संशोधित समयसीमा के बावजूद कई कार्य अधूरे हैं। शनिवार को फुटपाथ पर 18 की संख्या में लगे ठेले–खोमचे हटवाए गए। वहीं, उखड़े–खाबड़ पेवर टाइल, सही लेवल में नहीं लगे चौंबर, डक्ट के बाहर बिजली के तार और अधूरे इलेक्ट्रिकल पैनल लगाने का काम चलता मिला। नगर निगम के अवर अभियंता शोभित शेखर भी मौजूद मिले। पेवर ब्लॉक्स और एफआरपी चौंबर की फिनिशिंग करने के साथ भूमिगत केबलिंग का काम सोमवार की शाम तक पूरा करने के निर्देश हैं। इलेक्ट्रिक पोलो पर चिपकाए गए पोस्टर भी हटाए गए।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com